शिखर 3

पाठ 13. नहीं व्यर्थ बहाओ पानी

कविता का उद्देश्य
प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को पानी का महत्त्व बताना एवं उसके संरक्षण हेतु प्रेरित करना है। पानी हमारे जीवन का आधार है। हमें इसे व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। पानी के संरक्षण के लिए हमें दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए।

कविता का सारांश
नानी हमें समझाती हैं कि पानी व्यर्थ मत बहाओ। अगर धरती से पानी खत्म हो गया तो जीवन ही मिट जाएगा। खेतों में अन्न नहीं उगेगा। वे विरान अर्थात् बंजर हो जाएँगे। जो ज़मीन आज उपजाऊ लगती है वह बिना पानी के रेगिस्तान बन जाएगी। बादल बरसने वहीं आते हैं जहाँ धरती हरी-भरी होती है। बादल हरी-भरी जगह खूब गरजते हैं और बहुत वर्षा करते हैं। इसलिए बहुत सारे पेड़-पौधे लगाकर इस संसार को हरा-भरा रखो ताकि वर्षा हो और पानी की कमी न हो। पानी अनमोल रत्न के समान है इसलिए इसकी एक-एक बूँद बचाकर रखो।

अध्यापन संकेत
कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से भी एक-एक अंश का लय में वाचन करवाएँ। उन्हें पानी की उपयोगिता और महत्त्व के बारे में समझाएँ। कविता वाचन के दौरान बीच-बीच में बच्चों से कविता से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न पूछें। उन्हें 'उपकारी बादल' का अर्थ समझाएँ। बच्चों से पूछें एवं समझाएँ–

- ❖ क्या पानी के बिना जीवन संभव है?
- ❖ पानी के बिना धरती पर क्या-क्या बदलाव आएँगे?
- ❖ बच्चों को जल के संरक्षण का महत्त्व बताते हुए उन्हें जल-संरक्षण के लिए प्रेरित करें।
- ❖ बच्चों को 'मछली जल की रानी है' कविता सुनाएँ।
- ❖ कविता के कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।
- ❖ कविता में आए तुक मिलाते शब्दों को छाँटने के लिए कहें।
- ❖ कविता में से विशेषण शब्द छाँटने में बच्चों की सहायता करें।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।

रखो साफ़-सफ़ाई का ध्यान (केवल पढ़ने के लिए)

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।